बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न
वर्ग – 2

08 फाल्गुन, 1939 (श.)
मंगलवार, तिथि ----------
27 फरवरी, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 18

1.	उद्योग विभाग	....	....	02
2.	स्वास्थ्य विभाग	....	....	09
3.	ऊर्जा विभाग	....	....	05
4.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	....	....	01
5.	गन्ना उद्योग विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**18**

उद्योग संचालित नहीं

***** 1. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को आमंत्रित किया गया था और राज्य सरकार के साथ उनका समझौता भी हुआ था, लेकिन अबतक उद्योग, जमीनी स्तर तक उतर नहीं सका है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में बेरोजगारी के आंकड़े चौंकाने वाले हो गये हैं, पढ़े-लिखे युवा भी पी-एच.डी. एवं इंजीनियरिंग करके बेरोजगारी की मार से चतुर्थ श्रेणी पद के लिए भी नियुक्त होने की हालात में हो गये हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शिक्षित बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को रोजगार मुहैया कराने हेतु विविध उद्योग संचालित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

आपूर्तिकर्ता पर कार्रवाई

***** 2. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के सदर अस्पतालों में मरीजों को मेनू के अनुसार प्रत्येक दिन नाश्ता में 6 ब्रेड, एक बॉयल अंडा, 200 एम.एल. दूध तथा एक मौसमी फल तथा दोपहर में रोटी, चावल, दाल, दही एवं सब्जी तथा शाम में 4 पीस बिस्कुट, एक चाय तथा रात्रि में 5 रोटी, 50 ग्राम दाल एवं सब्जी देना है जबकि सब्जी में आलू-गोभी की सब्जी नहीं देनी है;

(ख) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के सदर अस्पताल, मोतिहारी में नाश्ता भोजन हेतु वाफर मच्छरहट्टा, पटना की एजेन्सी को आपूर्ति की जाती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो उक्त एजेंसी द्वारा नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था न कर सदर अस्पताल चौक के पास एक होटल से टैग कर दिया गया है जो मनमाने ढंग से भोजन देता है तथा मरीजों के साथ अभद्रव्यवहार किया जाता है जिनमें सदर अस्पताल में सर्जिकल वार्ड में भर्ती पीपरा स्टेशन के लोकाई बेलवा निवासी रामदेव महतो, शेख इमाम, विलासपुर रामगढ़वा तथा छवैदा खातून, नगदारो जैसे मरीजों के साथ दुर्व्यवहार किया गया है, सरकार सदर अस्पताल के कर्मचारियों तथा पदाधिकारियों एवं आपूर्तिकर्ता पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

विद्युत की आपूर्ति

***** 3. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना के मीठापुर बस स्टैंड के पास ढेलवां गांव में अवस्थित मकानों को आपूर्ति किये जानेवाले विद्युत तार अत्यंत ही जर्जर हो चुका है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त क्षेत्र में आबादी एवं घरों की संख्या बढ़ने से दशकों पुराने तार पर भार बढ़ने के कारण आए दिन तार टूटते रहते हैं और इससे दुर्घटनाएं होती रहती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ढेलवां गांव के उक्त जर्जर तारों को बदलकर नए तार/केबुल लगाकर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

सैंपल की जांच

***** 4. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में त्योहारों के सीजन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिठाई, दूध तथा अन्य खाद्य सामग्रियों का सैंपल जांच हेतु दुकानों से उठाया जाता है, परन्तु परिणामों की जानकरी आम लोगों तक नहीं पहुंच पाती है;

(ख) क्या यह सही है कि गत वर्ष दीपावली के अवसर पर पटना शहर के 30 दुकानों से लगभग 140 तरह के सामानों के सैंपल खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा उठाये गये थे;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार यह बतलाये कि खंड 'ख' में वर्णित जांच के क्या परिणाम आये तथा सरकार इस तरह की जांच परिणामों की सूचना आम लोगों तक पहुंचाने की क्या व्यवस्था करना चाहती है ?

विद्युत की आपूर्ति

***** 5. **श्री चन्देश्वर प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना शहर स्थित कुर्जी विकास नगर, रोड नं.-9 में लगभग 200 मीटर की दूरी तक स्थानीय लोग अपने-अपने घरों में बांस के खंभा पर पी.वी.सी. तार द्वारा बिजली बल्ब जला रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पी.बी.सी. तार द्वारा बिजली जलाने पर स्थानीय लोगों के साथ अप्रिय घटना घटती आ रही है;

(ग) क्या यह सही है कि सरकार के संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मचारी उक्त स्थान पर विद्युत करंट द्वारा बड़ी अप्रिय घटना घट जाने के इंतजार में हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पटना शहर के कुर्जी विकास नगर, रोड नं.-9 में स्थानीय लोगों के साथ विद्युत करंट द्वारा बड़ी अप्रिय घटना घटने से बचाव हेतु कम से कम तीन विद्युत पोल एवं कभरयुक्त विद्युत तार द्वारा विद्युत आपूर्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

मेडिकल कॉलेज खोलने पर विचार

***** 6. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के पांच स्थानों पर नये मेडिकल कॉलेज खोलने हेतु सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है जिसमें वैशाली जिला में महुआ भी एक है;

(ख) क्या यह सही है कि इस निर्णय के करीब दो वर्ष पूरे हो चुके हैं लेकिन मेडिकल कॉलेज शुरू करने की दिशा में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक महुआ सहित अन्य चयनित जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलेगी ?

शुद्ध पानी की व्यवस्था

***** 7. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के डुमरिया प्रखंड के ग्राम नारायणपुर में वार्ड-2 एवं वार्ड 3 में हजारों की आबादी है, परन्तु जमीन के अंदर 200-300 मीटर तक पानी नहीं रहने के कारण यहां के ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार नारायणपुर गांव में अविलम्ब पीने के पानी के लिए कोई ठोस व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

भवन का निर्माण

***** 8. **श्री रामलषण राम रमण** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत राजनगर प्रखंड की शिविपट्टी पंचायत के मधुबनी टोला में चल रहे स्वास्थ्य उपकेन्द्र का अपना कोई भवन नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य उपकेन्द्र के नाम से ग्रामीणों द्वारा प्रदत्त 18 कट्ठा जमीन लगभग 25 वर्षों से उपलब्ध है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक स्वास्थ्य उपकेन्द्र की जमीन में भवन का निर्माण कराना चाहती है ?

शोषण से मुक्ति

***** 9. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया में दिनांक-19.08.2017 को नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक में यह पाया गया कि इंडिया पावर कॉरपोरेशन (बोधगया) लिमिटेड अधिक बिजली बिल वसूल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, बोधगया द्वारा बताया गया कि नगर पंचायत में बिजली बिल में समस्या है, 17.18 लाख रुपया बिजली बिल लग रहा था, जो अब 7 लाख रुपये आ गया है, परन्तु अभी भी इसमें सुधार की आवश्यकता है;

(ग) क्या यह सही है कि बैठक में नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि निगम में काफी ज्यादा बिजली बिल आ रहा है;

(घ) क्या यह सही है कि इंडिया पावर कॉरपोरेशन (बोधगया) लिमिटेड आम जनता के साथ-साथ सरकारी विभागों से भी मनमाने ढंग से बिजली बिल वसूल रही है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इंडिया पावर कॉरपोरेशन (बोधगया) लिमिटेड पर कार्रवाई तथा उपभोक्ताओं को शोषण से मुक्त कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

कानूनी कार्रवाई

***** 10. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिले में चीनी मिल बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज, लौरिया, मझौलिया स्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित चीनी मिलों के द्वारा गन्ना पेराई वर्षों से गन्ना किसानों से केन सेश मद में रुपया कटौती की जाती है जो रुपया जोनल डेब्लपमेंट काउंसिल के तहत किसानों के हित में खर्च किया जाता है;

(ग) क्या यह सही है कि चीनी मिल प्रबंधन द्वारा केन सेश की राशि का मनमाने ढंग से कार्य दिखाकर भुगतान उठा लिया जाता है जबकि जोनल डेब्लपमेंट काउंसिल की बैठक में किसानों द्वारा दी गई योजनाओं पर खर्च किया जाना है;

(घ) क्या यह सही है कि चीनी मिल प्रबंधनों द्वारा कार्य बिना प्राक्कलन के कराया जाता है तथा बिना मापी पुस्तिका को ही स्थानीय केन ऑफिसर को मेल में लेकर भुगतान उठा लिया जाता है, इस प्रकार से जे.डी.सी. से रुपया का बड़ा घोटाला किया गया है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वित्तीय वर्ष 2012-13 से 2016-17 तक में जे.डी.सी. की राशि में किये गये घोटालों की जांच कराते हुए दोषियों पर कानूनी कार्रवाई किसानों के हित में करना चाहती है ?

अतिरिक्त अनुदान

***** 11. **डा. दिलीप कुमार जायसवाल** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि इंटीग्रेटेड पावर डेब्लपमेंट स्कीम नगर निगम, नगर पंचायत व नगर परिषद वाले राज्य के 130 शहरों में उपभोक्ताओं के घरों के अलावा ट्रांसफॉर्मर व फीडर में भी मीटर लगाए जा रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि आई.पी.डी.एस. में केन्द्र सरकार ने 2111 करोड़ की स्वीकृति दी है एवं इस योजना में मंजूरी के 30 महीने के भीतर (मार्च, 2019 तक) पूरा करने पर ही राज्य सरकार को 315 करोड़ अतिरिक्त अनुदान केन्द्र सरकार से मिलेगा;

(ग) क्या यह सही है कि बिहार में जिस रफ्तार से आई.पी.डी.एस. पर काम चल रहा है, उसे रिस्क जोन में रखा गया है एवं विभागीय लालफीता शाही के कारण 315 करोड़ के अतिरिक्त अनुदान से बिहार वंचित हो जाएगा;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इस योजना को समय पर पूरा करने के लिए क्या प्रयास करेगी ?

कड़ी कार्रवाई

***** 12. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जमुई जिला में सभी स्वास्थ्य केन्द्रों की साफ-सफाई एवं जेनरेटर आपूर्ति हेतु निविदा की गयी थी, लेकिन किनको निविदा मिली और कार्य आवंटन किया गया, इसकी जानकारी किसी को नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि पूरे जिले में कहीं भी स्वास्थ्य केन्द्रों की साफ-सफाई एवं जेनरेटर से बिजली आपूर्ति का कार्य नहीं किया जा रहा है और इसके नाम पर बहुत बड़ी राशि का घोटाला किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस मामले की निगरानी विभाग से जांच कराकर संबंधित व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

भवन बनाने पर विचार

***** 13. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बक्सर जिलान्तर्गत उप स्वास्थ्य केन्द्र म़डिया प्रखंड नावानगर में है;

(ख) क्या यह सही है कि उप स्वास्थ्य केन्द्र को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उत्क्रमित करने तथा भवन निर्माण के लिए जमीन उपलब्धता का प्रस्ताव विभाग में लंबित है;

(ग) क्या यह सही है कि असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बक्सर के पत्रांक-315, दिनांक-12.2.11 द्वारा मौजा म़डिया में खाता सं.-374, खेसरा नं.-1422, रकबा 40 डी. (तेरह कट्ठा) जमीन में अतिरिक्त प्रा. स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की स्वीकृति एवं भवन बनाने के लिए अनुशंसा विभाग को भेज दिया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उप स्वास्थ्य केन्द्र म़डिया को अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र से उत्क्रमित करते हुए भवन बनाने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य उपकेन्द्र बंद

***** 14. **श्री जावेद इकबाल अंसारी** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बांका जिले के धौरेया प्रखंड के ग्राम चलना में स्वास्थ्य उपकेन्द्र की स्थापना की गई है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्वास्थ्य उपकेन्द्र में विगत पांच वर्षों से कोई स्वास्थ्य कर्मी इस उपकेन्द्र में नहीं आने के कारण यह स्वास्थ्य उपकेन्द्र बंद रहता है, जिसके कारण चलना गांव के अलावे आसपास के अन्य गांव के लोगों को छोटी बीमारी का भी इलाज कराने हेतु 20 कि.मी. दूर जाना पड़ता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में उक्त स्वास्थ्य केन्द्र को सुचारु रूप से चलाने का कौन-सा विचार रखती है और कबतक, नहीं तो क्यों ?

उद्यमियों को अनुदान

***** 15. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार आई.टी. फुड प्रोसेसिंग, टैक्सटाइल, एपरल और लेदर उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए नई नीति के तहत बैंक से कर्ज लेने पर 10 प्रतिशत अनुदान दे रही है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार बतायेगी कि अभी तक कितने उद्यमियों को बैंक से कर्ज मिला है और अबतक कितने उद्यमियों को अनुदान दिया गया है ?

विद्युत विपत्र वितरण

***** 17. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि ग्राम-कतरौल, प्रखंड-जाले, जिला-दरभंगा सहित पूरे राज्य के ग्रामीण इलाकों में किसानों तथा आम उपभोक्ताओं को प्रत्येक 3 (तीन) माह बाद बिजली का विपत्र दिया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि 3 (तीन) माह के विपत्र एक साथ आने से ग्रामीण उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राशि के साथ विपत्र का भुगतान करना पड़ रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक माह विद्युत विपत्र वितरण हेतु कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

नियुक्तियों की जांच

***** 18. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य में हेल्थ मैनेजर के पद पर हुई नियुक्तियों में भारी अनियमितता बरती गयी है;

(ख) क्या यह सही है कि कई जिलों के जिला पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन की मिलीभगत से बिना किसी विज्ञापन के अयोग्य व्यक्तियों को हेल्थ मैनेजर के पद पर नियुक्त कर लिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार मुजफ्फरपुर सहित पूरे राज्य में हेल्थ मैनेजर के पद पर हुयी नियुक्तियों की जांच निगरानी से कराना चाहती है ?

व्यवस्था दुरुस्त

***** 19. **श्री सी.पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग में 263 डाक्टरों का अस्पताल से गायब रहने की शिकायत विश्वस्त सूत्रों से मिली है, सहरसा, सुपौल, कटिहार, अररिया के अस्पताल से डाक्टर गायब हैं;

(ख) क्या यह सही है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की ओ.पी.डी. में कम मरीजों का इलाज किया गया है, मरीजों को प्राइवेट क्लिनीकों की शरण लेनी पड़ती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बिहार प्रदेश के अस्पतालों से गायब डाक्टरों पर कार्रवाई करना चाहती है, तथा ओ.पी.डी. व्यवस्था दुरुस्त करना चाहती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पटना
दिनांक 27 फरवरी, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्